AMAR UJALA MY CITY Page 5

एमसीक्यू पर आधारित होगी अंतिम वर्ष की परीक्षा

लखनऊ विश्वविद्यालय में परीक्षा की गाइडलाइन तैयार, मल्टीपल चॉइस आधारित होंगे सवाल

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में इस साल अंतिम वर्ष की परीक्षा ओएमआर पर मल्टीपल चॉइस बेस्ड क्वेश्चन (एमसीक्यू) आधारित परीक्षा प्रणाली पर आयोजित होगी। कोरोना संक्रमण की वजह से लविवि ने बुधवार को अपनी नई परीक्षा योजना पर मुहर लगा दी। साथ ही विवि ने प्रमोशन संबंधी पॉलिसी पर भी नियमावली जारी कर दी है। सरकार के निर्देश के अनुसार स्नातक और परास्नातक अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की परीक्षा होगी। बाकी परीक्षार्थियों को पिछली परीक्षा के आधार पर प्रमोट किया जाएगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय में वार्षिक परीक्षा 16 मार्च से शुरू हो चुकी थीं। इसके बाद कोरोना संक्रमण को देखते हुए परीक्षा स्थगित कर दी गईं थीं। अब परीक्षा के लिए नई नियमावली जारी कर दी गई है। इस नियमावली के अनुसार पूर्व में हो चुकी परीक्षा रद्द मानी जाएगी तथा उसका पेपर भी नई नियमावली के हिसाब से होगा। एमसीक्यू आधारित परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र तैयार करने की जिम्मेदारी विभागाध्यक्ष को दी गई है। द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों की बैकपेपर और इम्प्रूवमेंट परीक्षा का आयोजन भी अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के साथ होगा। यह परीक्षा भी एमसीक्यू पर आधारित होगी। शिल्पकला संकाय में स्नातक स्तर पर 100 सवाल में से विद्यार्थी को 50 के जवाब देने होंगे, जबकि परास्नातक स्तर पर 70 में 35 सवाल का जवाब देना होगा। प्रैक्टिकल में आंतरिक और बाह्य परीक्षक 50-50 फीसदी अंक देंगे। एमवीए में विद्यार्थी को अपना पिछले सर्वश्रेष्ठ काम के साथ परीक्षण के लिए उपस्थित होना होगा।

बीए और बीकॉम में लविवि में अंतिम वर्ष की परीक्षा की गाइडलाइन तैयार | बैक पेपर वाले छात्रों को भी राहत, आधार अंक के आधार पर होगा प्रमोशन

बीकॉम में प्रश्नपत्र की संख्या होगी आधी

नियमावली के अनुसार बीकॉम अंतिम वर्ष में प्रश्नपत्र की संख्या आधी हो जाएगी। 4 ग्रुप में कुल 8 प्रश्नपत्र होते हैं। अब एक ग्रुप के दोनों पेपर की परीक्षा एक ही पाली में एक प्रश्नपत्र के रूप में होगी। दोनों में 100-100 सवाल होंगे, जिसमें से विद्यार्थी को 50-50 सवाल के जवाब देने होंगे। प्रत्येक सवाल 2 नंबर का होगा। परीक्षा के लिए 120 मिनट का समय मिलेगा। ओएमआर में दो भाग होंगे, जिससे कि दोनों विषय के नंबर अलग-अलग दिए जा सकें। इसी तरह बीकॉम ऑनर्स और एमकॉम के पेपर में 70 सवाल होंगे, जिसमें से 35 सवाल हल करने होंगे। प्रत्येक सवाल 2 नंबर का होगा और परीक्षा 60 मिनट की होगी। मौखिक परीक्षा विभागाध्यक्ष स्तर पर होगी। आंतरिक परीक्षा के नंबर पिछले सेमेस्टरों के औसत के आधार पर दिए जाएंगे।

बीए में तीन पेपर की परीक्षा एक पाली में

बीए अंतिम वर्ष में दो विषयों में तीन-तीन प्रश्नपत्र होते हैं। नए नियम में इन तीनों की परीक्षा एक ही पाली में होगी। प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे तथा सभी मे 50-50 सवाल होंगे। प्रत्येक सवाल 2 नंबर का होगा। परीक्षार्थियों को हर भाग से 25 सवाल करने होंगे। परीक्षा का समय 120 मिनट का होगा। बीए ऑनर्स और परास्नातक में 70 सवाल होंगे, जिसमें से 35 सवाल हल करने होंगे। प्रत्येक सवाल 2 नंबर का होगा और परीक्षा 60 मिनट की होगी। आंतरिक परीक्षा के नंबर पिछले सेमेस्टरों के औसत के आधार पर दिए जाएंगे।

बीएससी में 3 नंबर का होगा सवाल

बीएससी अंतिम वर्ष में दो विषयों में तीन-तीन प्रश्नपत्र और एक प्रयोगात्मक परीक्षा होती है। नई नियमावली में तीनों प्रश्नपत्र की परीक्षा एक साथ एक ही पाली में कराई जाएगी। इस प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे तथा सभी मे 50-50 सवाल होंगे। प्रत्येक सवाल 3 नंबर का होगा। परीक्षार्थियों को 120 हर भाग से 25 सवाल करने होंगे। एमएससी में भी एमए और एमकॉम की तरह 70 सवाल में से 35 हल करने होंगे। दो-दो नंबर के इस पेपर के लिए 60 मिनट का समय मिलेगा।

■ **एलएलबी में नहीं कम होंगे पेपर :** नई नियमावली में एलएलबी में पेपर कम नहीं होंगे। एलएलबी और एलएलबी ऑनर्स में कुल सात-सात प्रश्नपत्र होते हैं। परीक्षा में पेपर कम नहीं किए जाएंगे। हर पेपर में 100 बहुविकल्पीय सवाल पूछे जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थियों को 50 सवाल का जवाब 60 मिनट में देना होगा। प्रत्येक सवाल 2 नंबर का होगा।

■ **फेल और अनुपस्थित विद्यार्थी को भी मिलेंगे आधार अंक :** लविवि की समिति के निर्णय के अनुसार परीक्षाफल तैयार करते समय किसी पेपर में फेल या अनुपस्थित छात्र को आधार अंक देकर परीक्षा फल बना दिया जाएगा। ऐसे सभी विद्यार्थियों को अंक सुधार का बाद में मौका दिया जाएगा। आधार अंक की गणना समिति द्वारा सुझाये गए फार्मूले के आधार पर होगी।

रेग्युलेटरी बॉडीज के नियमों के आधार पर होगी इन पाठ्यक्रमों की परीक्षा : बीएड, एमएड, बीएलएड, बीपीएड, एमपीएड, तकनीकी संकाय, आयुर्वेद, यूनानी, आईएमएस।

एक दशक बाद शुरू होंगे डी.लिट दाखिले

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 10 साल से ज्यादा समय के बाद डी.लिट के दाखिले शुरू होने रास्ता साफ हो गया है। विवि में बुधवार को हुई एकेडमिक काउंसिल की बैठक में इसके ऑर्डिनेंस को मंजूरी मिल गई। कार्य परिषद की मंजूरी मिलते ही दाखिले शुरू हो जाएंगे। बैठक में इसके साथ पीएचडी के नए ऑर्डिनेंस, पीजी के नए सिलेबस के साथ ही अन्य प्रस्तावों पर भी मुहर लगाई गई। कुलपति प्रो. आलोक कुमार की अध्यक्षता में बैठक में सभी सदस्य ऑनलाइन जुड़े। लविवि में पिछले कई साल से डी.लिट के दाखिले नहीं हो रहे हैं। अब इसे मंजूरी मिल गई है। इसके संविधान के अनुसार पीएचडी उपाधि मिलने के पांच साल बाद डी.लिट में दाखिला लिया जा सकेगा। दाखिले के 4 साल के भीतर शोध पूरा करना होगा। वहीं, पीएचडी ऑर्डिनेंस में इंटीग्रेटेड पीएचडी के प्रस्ताव पर भी मुहर लगाई गई। एकेडमिक काउंसिल की बैठक में स्टार्टअप को अनुदान देने की पॉलिसी, ई-कंटेंट की पॉलिसी तय, इंजीनियरिंग संकाय में संकायाध्यक्ष पद देने, योगा संकाय तथा इसके अधीन दो विभागों की स्थापना, विभिन्न विभागों में नए डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालन के प्रस्ताव भी बैठक में पास किए गए। इन सभी प्रस्तावों को अंतिम मंजूरी के लिए कार्य परिषद के सामने रखा जाएगा।

चर्चा का विषय बनी कॉरपोरेट पीएचडी

एकेडमिक काउंसिल की बैठक में कॉरपोरेट पीएचडी की काफी चर्चा रही। इसमें सरकारी अधिकारियों और कॉरपोरेट प्रायोजित लोगों को पीएचडी कराने का प्रस्ताव है। सूत्रों के अनुसार पीएचडी दाखिले के लिए इनको प्रवेश परीक्षा में शामिल नहीं होना होगा। इतना ही नहीं पीएचडी गाइड बनने के लिए निर्धारित अधिकतम संख्या की गणना में भी इनको शामिल नहीं करने का प्रस्ताव है। प्रस्ताव के अनुसार हर शिक्षक को इस तरह का एक शोधार्थी लेने की अनुमति होगी। इस प्रस्ताव पर लविवि में चर्चा और विरोध का दौर शुरू हो गया है। शिक्षकों के अनुसार इस तरह पीएचडी मजाक बनकर रह जाएगी। यूजीसी के नियमों के अनुसार पीएचडी के लिए प्रवेश परीक्षा का होना जरूरी है। इस तरह तो सरकारी अधिकारियों को उपकृत करने की परंपरा शुरू हो जाएगी। बताया जाता है कि ऑर्डिनेंस में प्रशासनिक अधिकारियों को भी पीएचडी गाइड बनाए जाने का प्रस्ताव भी था, लेकिन शिक्षकों के विरोध के चलते इस पर सहमति नहीं बन सकी। अभी इस पर कार्य परिषद में भी चर्चा होनी है।

NBT Page 2 & 3

एमसीक्यू पैटर्न से एग्जाम, सुधार का भी मौका मिलेगा

लविवि प्रशासन का फाइनल इयर के लिए फैसला, एक दिन में एक विषय की एक ही पाली में होगी परीक्षा

■ **एनबीटी, लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय में फाइनल ईयर के स्टूडेंट्स की परीक्षा अब ओएमआर शीट पर मल्टीपल चॉइस क्वेश्चन (एमसीक्यू) पैटर्न पर होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बुधवार को हुई विद्या परिषद की बैठक में यह फैसला लिया गया है। साथ ही अन्य सेमेस्टर के स्टूडेंट्स के प्रमोशन के लिए भी खाका तैयार कर लिया गया है। साथ ही प्रमोट करने वाले स्टूडेंट्स को आगे परीक्षा देकर अपने अंक सुधारने का भी मौका दिया जाएगा। फाइनल ईयर में एक विषय के सभी पेपर की परीक्षा एक ही दिन और एक ही पाली में होगी। इंटरनल एग्जाम के अंक पिछले सेमेस्टरों के अंकों का औसत निकलकर दिए जाएंगे।

दोबारा होंगी यूजी 16 मार्च की परीक्षा

लखनऊ विश्वविद्यालय ने गत 16 मार्च को यूजी फाइनल ईयर की परीक्षा शुरू करवा दी थी। बीए और बीएससी का एक-एक पेपर हुआ था। इसके बाद लॉकडाउन के कारण परीक्षा नहीं हुई। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि 16 मार्च को हुआ पेपर रद कर दिया गया है। अब इन्हें भी नए पैटर्न पर करवाया जाएगा। इसके साथ ही बैठक में बीएड, एमएड, बीएलएड, बीपीएड, एमपीएड, आयुर्वेद, यूनानी, तकनीकी संकाय और आईएमएस के पाठ्यक्रमों के संबंध में नियामक संस्थानों के नियमों को लागू करने का फैसला लिया गया है।

ऐसे होगा प्रमोशन के अंकों का निर्धारण

द्वितीय सेमेस्टर में यूजी प्रथम सेमेस्टर के अंक को एग्रिगेट मार्क्स के प्रतिशत को आधार अंक माना जाएगा। द्वितीय सेमेस्टर के समान प्रश्नपत्र में प्रथम सेमेस्टर के समान प्रश्न पत्र के अंकों को आधार अंक के साथ जोड़कर औसत अंक निकालते हुए उस प्रश्नपत्र के अंकों को द्वितीय सेमेस्टर के प्रोजेक्टेड अंकपत्र के लिए निर्धारित किया जाए। आंतरिक मूल्यांकन एवं प्रायोगिक अंक के निर्धारण में भी यही तरीका होगा।

चतुर्थ सेमेस्टर वाले छात्रों के तीनों सेमेस्टर के अंकों को आधार बनाया जाएगा। पीजी द्वितीय सेमेस्टर से में प्रमोशन में पहले के अंकों को आधार बनाया जाएगा।

परीक्षा का पैटर्न

बीकॉम की फाइनल इयर

■ बीकॉम में अब 100 प्रश्नों की जगह हर प्रश्न पत्र में 50 बहुविकल्पीय प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा और परीक्षा के लिए स्टूडेंट्स को 120 मिनट दिए जाएंगे। इसके साथ बैक पेपर, इम्प्रूवमेंट की भी परीक्षा एमसीक्यू प्रणाली से होगी।

■ बीकॉम ऑनर्स फाइनल सेमेस्टर और पीजी फाइनल सेमेस्टर 70 की जगह 35 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। सभी प्रश्न दो-दो अंकों के होंगे और परीक्षा 60 मिनट की होगी।

कला संकाय फाइनल ईयर

■ 50 की जगह 25 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। सभी प्रश्न दो-दो अंकों के होंगे और परीक्षा 120 मिनट की होगी।

■ कला संकाय यूजी फाइनल सेमेस्टर और पीजी फाइनल सेमेस्टर 70 की जगह अब 35 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। सभी प्रश्न दो-दो अंकों के होंगे और परीक्षा 60 मिनट की होगी।

विज्ञान संकाय फाइनल ईयर

■ 50 की जगह 25 प्रश्नों के उत्तर 120 मिनट में देने होंगे। सभी प्रश्न तीन-तीन अंक के होंगे।

विज्ञान संकाय पीजी फाइनल सेमेस्टर

■ 70 की जगह अब 35 प्रश्न के उत्तर देने होंगे। सभी प्रश्न दो-दो अंकों के होंगे और 60 मिनट मिलेंगे।

ललित कला संकाय

■ यूजी फाइनल ईयर की परीक्षाओं में 100 की जगह 50 बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। सभी प्रश्न दो अंक के होंगे और परीक्षा एक घंटे की होगी।

■ यूजी फाइनल ईयर की परीक्षाओं में 70 के स्थान पर 35 बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। बाकी के 30 अंक इंटर्नल परीक्षा के आधार पर दिए जाएंगे। सभी प्रश्न दो अंक के होंगे और परीक्षा के लिए एक घंटा मिलेगा। प्रैक्टिकल में 50 अंक इंटरनल परीक्षा के आधार पर और 50 क्लास वर्क के एक्सटर्नल परीक्षा के आधार पर।

विधि संकाय

■ पांच वर्षीय पाठ्यक्रम के अंतिम सेमेस्टर में कुल सात प्रश्न पत्र हैं। 6 प्रश्न पत्र 100-100 अंक के हैं। 7वां 50 अंक और 50 अंक की मौखिक परीक्षा।

■ 100 अंक वाले पेपर में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न दिए जाएंगे। इसमें से 50 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। 7वां प्रश्न पत्र जिसमें अब 50 की जगह 25 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। सभी प्रश्न दो अंकों के होंगे। परीक्षा 60 मिनट की होगी।

■ तीन वर्षीय के अंतिम सेमेस्टर में 100 में 50 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। हर प्रश्न दो अंक का होगा। परीक्षा 60 मिनट की होगी।

एलयू में इंटीग्रेटेड व पार्ट टाइम पीएचडी

विद्या परिषद से प्रस्ताव पास, यूजीसी की मंजूरी का इंतजार

■ **एनबीटी, लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय अब स्टूडेंट्स को इंटीग्रेटेड व पार्ट टाइम पीएचडी भी करवाएगा। इंटीग्रेटेड पीएचडी कोर्स पांच साल का होगा। इसमें दो साल पीजी की पढ़ाई होगी जबकि तीन साल रिसर्च के लिए मिलेंगे। वहीं, पार्ट टाइम पीएचडी ऐसे प्रोफेशनल्स के लिए होगी जो रेगुलर कैंपस नहीं आ सकते। लखनऊ विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की बैठक में बुधवार को ये प्रस्ताव पास किए गए। अब इन्हें यूजीसी के सामने पेश किया जाएगा। यूजीसी से ओके मिलते ही कोर्स शुरू हो जाएंगे।

हर विभाग में पांच स्टूडेंट्स: इंटीग्रेटेड पीएचडी कोर्स में हर विभाग में सिर्फ पांच ही स्टूडेंट्स शामिल होंगे। इसके लिए स्टूडेंट्स को पीजी के बजाय इंटीग्रेटेड पीएचडी कोर्स में दाखिला लेना होगा। पीजी के दौरान ही उन्हें एक मेंटर मिलेगा, जो गाइड करने के साथ डिजर्टेशन (लघु शोध) में मदद करेगा। हालांकि स्टूडेंट्स को पीजी की सीबीसीएस प्रणाली के तहत 96 क्रेडिट कोर्स के अनुसार सामान्य पीजी के स्टूडेंट्स की तरह ही परीक्षा देनी होगी। बस अंतर इतना होगा कि मेंटर उसकी रुचि के विषय में विस्तृत अध्ययन के लिए गाइड करेगा।

नेट,जेआरएफ जरूरी नहीं : इस कोर्स में दाखिला लेने के बाद पीएचडी करने वालों को नेट और जेआरएफ पास करना जरूरी नहीं होगा। हालांकि इन्हें जेआरएफ की तरह स्कॉलरशिप मिलेगी। स्कॉलरशिप किस नियम के तहत दी जाएगी इस पर एलयू विचार कर रहा है।

पार्ट टाइम पीएचडी में स्कॉलरशिप नहीं

पार्ट टाइम पीएचडी कोर्स का लाभ सरकारी अधिकारी, सेना के अफसर, इंडस्ट्री के टॉप एग्जिक्यूटिव व न्यायिक अधिकारी उठा सकेंगे। इस कोर्स में थीसिस समिट करने के लिए न्यूनतम 4 व अधिकतम 8 साल का समय दिया जाएगा। इसमें एलयू किसी भी प्रकार की स्कॉलरशिप नहीं देगा।

डीलिट भी शुरू होगा

पिछले कई साल से एलयू में बंद डीलिट का कोर्स फिर शुरू किया जाएगा। शिक्षकों व बाहरी रिसर्चरों को इस कोर्स में मौका दिया जाएगा। शर्त होगी कि पीएचडी की डिग्री और 10 साल का एक्सपीरियंस। फिर चाहे रिसर्चर हो या शिक्षक। डीलिट करने वाला रिसर्चर टॉपिक प्रपोज करेगा, जिस पर फैसला विभाग की रिसर्च कमिटी लेगी।

HINDUSTAN Page 6

लखनऊ विवि

● स्नातक अंतिम वर्ष की 16 मार्च को हुई परीक्षा रद्द करने का फैसला
● प्रमोशन का लाभ पाने वाले छात्रों को भविष्य में दिया जाएगा अंक सुधारने का मौका

ओएमआर शीट पर होगी एमसीक्यू परीक्षा

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में अन्तिम वर्ष के छात्रों को ओएमआर शीट पर बहुविकल्पीय प्रश्न प्रणाली पर आधारित परीक्षा देनी होगी। विवि प्रशासन की बुधवार को हुई विद्या परिषद की बैठक में यह फैसला लिया गया। वहीं, अन्य सेमेस्टर के छात्रों के प्रमोशन का फार्मूला भी तैयार किया गया। प्रमोशन पाने वाले छात्रों को भविष्य में परीक्षा देकर अपने अंक सुधारने का भी मौका दिया जाएगा।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में बुधवार को ऑनलाइन बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में एक विषय के सभी पेपर की परीक्षा एक ही दिन और एक ही पाली में कराने का फैसला लिया गया। सभी प्रश्नपत्रों में प्रश्नों की संख्या आधी कर दी गई है। जोकि विकल्प के रूप में मिलेगी। यानी अगर पहले पेपर में 100 प्रश्न पूछे जाते थे तो इस बार पेपर में तो 100 प्रश्न होंगे। लेकिन छात्रों को सिर्फ 50 के उत्तर देने होंगे।

दोबारा देना होगा 16 मार्च को हुआ पेपर

लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीती 16 मार्च को स्नातक अन्तिम वर्ष की परीक्षाएं शुरू कर दी थीं। बीए और बीएससी का एक-एक पेपर हुआ था। उसके बाद लॉकडाउन के चलते परीक्षा नहीं कराई जा सकी। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इस पेपर को रद कर दिया गया है। इसलिए 16 मार्च को ही परीक्षा नए पैटर्न पर दोबारा कराई जाएगी।

यह है परीक्षा का पैटर्न

बी.कॉम अन्तिम वर्ष

● एमसीक्यू प्रणाली पर परीक्षा होगी।
● बी.कॉम में चार ग्रुप होते हैं। प्रत्येक ग्रुप में 2 प्रश्न पत्र होते हैं। प्रत्येक दिन एक ग्रुप के दोनों पेपर की परीक्षा होगी।
● प्रत्येक प्रश्नपत्र ए और बी दोनों में 100-100 प्रश्न दिए जाएंगे।
● प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा, परीक्षा के लिए 120 मिनट दिए जाएंगे।
● बैक पेपर, एकजेम्टेड और इम्प्रूवमेंट की भी परीक्षा एमसीक्यू प्रणाली होगी।

बीकॉम ऑनर्स और पीजी फाइनल

● प्रत्येक प्रश्न पत्र में 70 प्रश्न दिए जाएंगे, 35 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।
● सभी प्रश्न दो-दो अंकों के होंगे और परीक्षा 60 मिनट की होगी।
● आंतरिक परीक्षा के अंक विगत सेमेस्टरों के आंतरिक परीक्षा के अंकों का औसत निकालकर दिए जाएंगे।

कला संकाय वार्षिक परीक्षा

● दो विषयों में तीन-तीन प्रश्न पत्र होते हैं। प्रत्येक दिन तीनों प्रश्नपत्रों की परीक्षा एक ही पाली में होगी।
● तीनों पेपर में 50-50 प्रश्न होंगे। 25 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। परीक्षा120 मिनट की होगी।

कला संकाय स्नातक व परास्नातक अन्तिम सेमेस्टर

● प्रत्येक प्रश्न पत्र में 70 प्रश्न होंगे, 35 के उत्तर देने होंगे। सभी प्रश्न दो अंकों के होंगे, परीक्षा 60 मिनट की होगी।

विज्ञान संकाय वार्षिक परीक्षा

● दो विषयों में तीन-तीन पेपर और एक प्रयोगात्मक परीक्षा होती है।
● प्रत्येक दिन एक विषय के तीनों प्रश्नपत्रों की परीक्षा एक पाली में हो।
● प्रत्येक पेपर में 50 प्रश्न होंगे। 25 प्रश्नों के उत्तर 120 मिनट में देने होंगे।
● सभी प्रश्न तीन-तीन अंक के होंगे।

विज्ञान: पीजी अन्तिम सेमेस्टर

● प्रत्येक पेपर में 70 प्रश्न दिए जाएंगे। 35 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। परीक्षा 60 मिनट की होगी।

विधि संकाय अंतिम सेमेस्टर

● पांच वर्षीय पाठ्यक्रम के अंतिम सेमेस्टर में सात प्रश्न पत्र हैं। 6 प्रश्न पत्र 100-100 अंक के हैं। 7वां 50 अंक, 50 अंक की मौखिक परीक्षा है।
● 100 अंक वाले पेपर में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, 50 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। 7वां प्रश्न पत्र जिसमें अब 50 की जगह 25 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। परीक्षा 60 मिनट की होगी।
● तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के अंतिम सेमेस्टर में100 में 50 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। परीक्षा 60 मिनट की होगी।

ललित कला संकाय

● स्नातक फाइनल इयर में 100 में से 50 बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। परीक्षा एक घंटे की होगी।
● पीजी अन्तिम वर्ष में 70 के स्थान पर 35 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे। बाकी 30 अंक छात्रों को इंटर्नल परीक्षा के आधार पर दिए जाएंगे। परीक्षा एक घंटे की होगी।

प्रमोशन का फॉर्मूला

बीए, बीएससी, बी.कॉम द्वितीय सेमेस्टर

स्नातक प्रथम सेमेस्टर के अंक और एग्रिगेट मार्क्स के प्रतिशत को आधार अंक माना जाएगा। द्वितीय सेमेस्टर के समान प्रश्नपत्र में प्रथम सेमेस्टर के समान प्रश्न पत्र के अंकों को आधार अंक के साथ जोड़कर औसत निकालते हुए उस प्रश्नपत्र के अंकों को द्वितीय सेमेस्टर के प्रोजेक्टेड अंकपत्र के लिए निर्धारित किया जाए। आंतरिक मूल्यांकन एवं प्रायोगिक अंक के निर्धारण के लिए भी इसी फार्मूले को अपनाया जाएगा। इसी तरह, चतुर्थ सेमेस्टर वाले छात्रों के स्नातक प्रथम, द्वितीय और तृतीय सेमेस्टर के अंकों को आधार बनाया जाएगा। पीजी द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों के तृतीय सेमेस्टर में प्रमोशन के लिए पहले सेमेस्टर के अंकों को आधार बनाया जाएगा।

यहां नियामक संस्थान के नियम होंगे लागू

बैठक में बीएड,एमएड, बीएलएड, बीपीएड,एमपीएड, आयुर्वेद, यूनानी, तकनीकी संकाय और आईएमएस के पाठ्यक्रमों के संबंध में नियामक संस्थानों के नियम लागू करने का फैसला लिया गया। इसके लिए कुलपति को अधिकृत किया गया।

यूजीसी को भेजा जाएगा इंटीग्रेटेड पीएचडी का प्रस्ताव, दाखिले के लिए नेट, जेआरएफ अनिवार्य नहीं

पीजी के साथ पीएचडी का मौका, डी.लिट भी शुरू होगा

लविवि

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय अब परास्नातक की पढ़ाई के साथ ही पीएचडी करने का विकल्प भी देगा। इसके अलावा विवि में डी.लिट् भी दोबारा शुरू करने की तैयारी है। विद्या परिषद की बैठक में इस पर मुहर लगाई गई है। इसके अलावा पार्ट टाइम पीएचडी कराई जाएगी।

इंटीग्रीटेड पीएचडी : यह एक अलग कोर्स है। शोध करने के इच्छुक छात्र ही इसमें दाखिला लेंगे। पीजी की जगह इंटीग्रीटेड पीएचडी कोर्स में दाखिला लेना होगा।

हर विभाग में सिर्फ पांच ही छात्र होंगे। पीजी करने के दौरान ही एक मेंटर नियुक्त कर दिया जाएगा। जो उनको पढ़ाई में गाइड करेगा और डिजर्टेशन प्रोग्राम तैयार करने में सहायता करेगा।

इस कोर्स में दाखिला लेने के बाद पीएचडी करने वालों के पास नेट और जेआरएफ होना अनिवार्य नहीं है। हालांकि अभी तक ऐसे कोर्स को यूजीसी की मान्यता नहीं मिली है।

इसका प्रस्ताव यूजीसी में पास करने के लिए भेजा जाएगा।

डी.लिट दोबारा शुरू होगा : शिक्षकों और अन्य बाहरी शोधकर्ताओं को डी.लिट करने का मौका दिया जाएगा। पीएचडी और 10 साल के अनुभव वालों को मौका मिलेगा। हर विभाग में एक विषय के लिए एडवाइजरी कमेटी बनेगी, जो डी.लिट् कर रहे स्कॉलर का हर छह माह पर रिव्यू करेगी।

पार्ट टाइम कोर्स

पार्ट टाइम पीएचडी में सरकारी अधिकारी, आर्मी अधिकारी, इंडस्ट्री के टॉप एग्जीक्यूटिव आदि को मौका दिया जाएगा। एलयू किसी भी प्रकार की छात्रवृत्ति नहीं देगा। हर शिक्षक एक एक्स्ट्रा न्यूमैरिंग कोटे के तहत एक अन्य पीएचडी स्कॉलर को ले सकता है।

सतर्कता

लखनऊ विश्वविद्यालय दो दिन और बंद रहेगा

लखनऊ | हिन्दुस्तान टीम

लखनऊ विश्वविद्यालय [illegible] श्रीवास्तव ने बताया कि गुरुवार और शुक्रवार को संस्थान बंद रहेगा। शानिवार और रविवार को वैसे ही बंद है। करीब नौ दिन संस्थान बंद रहेगा।

i-NEXT Page 2

एलयू में एमसीक्यू बेस एग्जाम

लखनऊ यूनिवर्सिटी में हुई विद्या परिषद की बैठक में लिया गया निर्णय

प्रमोशन पाने वाले छात्रों को एग्जाम देकर अंक सुधारने का भी मिलेगा मौका

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(22 July): लखनऊ विश्वविद्यालय में अंतिम वर्ष के छात्रों को ओएमआर शीट पर बहुविकल्पीय प्रश्न प्रणाली(एमसीक्यू) पर आधारित परीक्षा देनी होगी. बुधवार को हुई विद्या परिषद की बैठक में यह फैसला लिया गया है. वहीं, अन्य सेमेस्टर के छात्रों के प्रमोशन का फार्मूला भी तैयार कर लिया गया है. प्रमोशन पाने वाले छात्रों को भविष्य में परीक्षा देकर अपने अंक सुधारने का भी मौका दिया जाएगा.

सभी एग्जाम एक दिन में

वीसी प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में बुधवार को हुई ऑनलाइन मीटिंग में निर्णय लिया गया कि एक विषय के सभी पेपर की परीक्षा एक ही दिन में और एक ही पाली में होंगे. वहीं आंतरिक परीक्षा के अंक विगत सेमेस्टरों के आंतरिक परीक्षा के अंकों का औसत निकलकर दिए जाएंगे.

रद किया गया पेपर

एलयू ने 16 मार्च को पीजी लास्ट इयर के एग्जाम शुरू किए थे. बीए और बीएससी का एक-एक पेपर हुआ था. उसके बाद लॉकडाउन के चलते एग्जाम नहीं हुए. प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इस पेपर को कैंसिल कर दिया गया है.

ऐसे प्रमोट होंगे स्टूडेंट्स

यूजी फर्स्ट सेमेस्टर के अंक को एग्रिगेट मार्क्स के प्रतिशत को बेस मार्क्स माना जाएगा. सेकंड सेमेस्टर के समान प्रश्नपत्र में फर्स्ट सेमेस्टर के समान प्रश्नपत्र के मार्क्स को बेस मार्क्स के साथ जोड़कर औसत निकालते हुए उस प्रश्नपत्र के मार्क्स को सेकंड सेमेस्टर के प्रोजेक्टेड अंकपत्र के लिए निर्धारित किया जाएगा. इससे स्टूडेंट्स को काफी राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है.

यह है परीक्षा का पैटर्न

बीकॉम फाइनल इयर

बीकॉम में अब 100 प्रश्नों की जगह स्टूडेंट्स को हर एक प्रश्न पत्र में 50 बहुविकल्पीय प्रश्न दिए जाएंगे. प्रत्येक प्रश्न दो अंको का होगा और परीक्षा करने के लिए स्टूडेंट्स को 120 मिनट दिए जाएंगे. इसके साथ बैक पेपर, एकजेमटेड और इंप्रूवमेंट की भी परीक्षा भी एमसीक्यू प्रणाली से होगी. इसी तरह बीकॉम ऑनर्स यूजी फाइनल सेमेस्टर और पीजी फाइनल सेमेस्टर के एग्जाम में स्टूडेंट्स को 70 की जगह अब 35 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे. सभी प्रश्न दो-दो अंकों के होंगे और परीक्षा 60 मिनट की होगी.

आर्ट साइड फाइनल इयर एग्जाम

स्टूडेंट्स को 50 की जगह 25 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे. सभी प्रश्न दो-दो अंकों के होंगे और परीक्षा 120 मिनट की होगी. इसी तरह आर्ट साइड यूजी फाइनल सेमेस्टर और पीजी फाइनल सेमेस्टर की परीक्षा में स्टूडेंट्स को 70 की जगह अब 35 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे. सभी प्रश्न दो-दो अंकों के होंगे और परीक्षा 60 मिनट की होगी.

साइंस साइड फाइनल इयर एग्जाम

50 की जगह 25 प्रश्नों के उत्तर 120 मिनट में देने होंगे. सभी प्रश्न पत्रों में प्रश्न तीन-तीन अंक के होंगे. इसी तरह साइंस साइड पीजी फाइनल सेमेस्टर परीक्षा में स्टूडेंट्स को 70 की जगह अब 35 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे. सभी प्रश्न दो-दो अंकों के होंगे और परीक्षा 60 मिनट की होगी.

ललित कला संकाय

यूजी की फाइनल ईयर की परीक्षाओं में 100 के स्थान पर 50 बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे. सभी प्रश्न दो-दो अंक के होंगे और परीक्षा एक घंटे की होगी.

विधि संकाय

पांच वर्षीय पाठ्यक्रम के अंतिम सेमेस्टर में कुल सात प्रश्न पत्र है. 6 प्रश्न पत्र 100-100 अंक के है. 7वां 50 अंक और 50 अंक की मौखिक परीक्षा है. 100 अंक वाले पेपर में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न दिए जाएंगे. इसमें से 50 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे. 7वां प्रश्नपत्र जिसमें अब 50 की जगह 25 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे. सभी प्रश्न दो-दो अंकों के होंगे और सभी परीक्षा 60 मिनट की होंगी.

PIONEER Page 3

बहुविकल्पीय होंगी अंतिम वर्ष की परीक्षाएं

लविवि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोविड 19 के दौर में परीक्षाओं को लेकर शासन स्तर पर जारी निर्देश के अनुपालन में बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय ने भी अंतिम वर्ष की परीक्षाओं को लेकर स्थिति स्पष्ट कर दी है। विश्वविद्यालय के मुताबिक अंतिम वर्ष के छात्रों को छोड़कर अन्य छात्र प्रमोट किए जाएंगे। जबकि अंतिम वर्ष के छात्रों की परीक्षाएं मल्टीपल चॉइस प्रश्न आधारित होंगी। एक घंटे का पेपर होगा। जिसमें 100 प्रश्न शामिल होंगे। इनमें 50 क्वेश्चन ही छात्रों को हल करने होंगे। प्रत्येक क्वेश्चन पर 2 अंक रखा गया है। विश्वविद्यालय के मुताबिक कला संकाय के स्नातक वार्षिक परीक्षा फ्लो तैयार करते समय कोई समस्या आती है तो उस स्थिति में कुलपति का निर्णय मान्य होगा। कोविड.19 के दृष्टिगत कोविड.19 के दृष्टिगत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुपालन में अंतिम वर्ष के छात्रों की परीक्षाओं को लेकर आज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक राय की अध्यक्षता में ऑनलाइन मोड के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। बैठक में सदस्यों द्वारा कला वाणिज्य विधि विज्ञान एवं ललित कला स्नातक के स्नातक वार्षिक एवं कला स्नातक ऑनर्स एवं वाणिज्य स्नातक ऑनर्स एवं परास्नातक अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाओं के संदर्भ में चर्चा की गई। चर्चा के दौरान निर्णय लिया गया कि बीकॉम अंतिम वर्ष की परीक्षाएं एमसीक्यू प्रणाली पर संपन्न होंगी। बीकॉम में चार ग्रुप होते हैं और प्रत्येक ग्रुप में दो प्रश्न पत्र होते हैं।

इसलिए प्रत्येक दिन एक ग्रुप के दोनों पेपर की परीक्षा एक पाली में संपन्न कराई जाएगी। परीक्षा के लिए ओएमआर शीट को दो पार्ट में मुद्रित कराया जाएगा। जिससे दोनों प्रश्नपत्र के अंक अलग अलग अंकपत्र पर अंकित किए जा सकें। दोनों प्रश्न पत्रों के लिए 2 घंटे का समय छात्रों को दिया जाएगा। दूसरे वर्ष के बैक पेपर इंप्रूवमेंट की परीक्षा भी एमसीक्यू सिस्टम पर होगी वहीं बीकॉम ऑनर्स एवं परास्नातक चौथे सेमेस्टर के प्रत्येक प्रश्न पत्र में 70 प्रश्न दिए जाएंगे।

ऐसे होंगे छात्र प्रमोट

प्रमोद की प्रक्रिया में पहले सेमेस्टर के प्राप्त कुल अंक के प्रतिशत को आधार अंक माना जाएगा। द्वितीय सेमेस्टर के सामान्य विषय के सामान्य प्रश्न पत्र में प्रथम सेमेस्टर के सामान्य प्रश्न पत्र के अंकों को आधार आधार अंक के साथ जोड़ के औसत निकालते हुए उस प्रश्नपत्र के अंक को द्वितीय सेमेस्टर के प्रोजेक्ट अंकपत्र के लिए निर्धारित किया जाएगा। आंतरिक मूल्यांकन एवं प्रायोगिक अंक के निर्धारण के लिए भी इसी फार्मूले का प्रयोग किया जायेगा। बैठक में समिति ने यह भी निर्णय लिया कि परीक्षाफल तैयार करते समय पूर्व सेमेस्टर के किसी प्रश्न पत्र में अनुत्तीर्ण अथवा अनुपस्थित छात्र को आधार अंक देकर परीक्षाफल बनाया जाएगा। साथ ही समिति द्वारा यह भी निर्णय लिया गया कि ऐसे सभी छात्रों को अंक सुधार हेतु भविष्य में होने वाली परीक्षाओं में अतिरिक्त मौका दिया जाएगा।

RASHTRIYA SAHARA Page 5

एमसीक्यू प्रणाली पर आधारित होंगी परीक्षाएं

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय की वची हुई परीक्षाएं एमसीक्यू प्रणाली पर ही आधारित होंगी। यूजीसी और प्रदेश सरकार से मिली अनुमति के वाद लखनऊ विश्वविद्यालय के अंतिम वर्ष के छात्रों की परीक्षाओं को लेकर वुधवार को एक अहम वैठक की गई।

विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई वैठक में प्रो. वृजेश कुमार शुक्ला, पीयूष भार्गव, परीक्षा नियंत्रक ए.एम. सक्सेना, तृप्ता त्रिवेदी और आर.के. माहेश्वरी सहित नौ सदस्य भी मौजूद रहे। वैठक में यह निर्णय लिया गया है कि स्नातक के कोर्सेज में 100 में से 50 सवालों के जवाव देने होंगे तथा इसके लिए एक घंटे का समय मिलेगा, जवकि परास्नातक के कोर्सेज में 70 में से 35 सवालों के जवाव देने होंगे। वची हुई

प्रैक्टिकल परीक्षा में 50% इंटरनल एग्जामिनर और 50% एक्सटर्नल एग्जामिनर मार्क्स देंगे, उसके आधार पर परीक्षाफल निकलेगा। वैठक में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं में विद्यार्थियों को द्वितीय से तृतीय में, चतुर्थ से पांचवें में, छठे से सातवें में, आठवें से नवे सेमेस्टर में प्रोन्नत किए जाने के मामले में अधीक्षक परीक्षाफल द्वारा सुझाए गए फार्मूले को प्रारंभिक सहमति देते हुए समिति के समक्ष प्रस्तुत किया, जिस पर सभी सदस्यों ने सहमति व्यक्त करते हुए सभी छात्रों को प्रोन्नत किए जाने की संस्तुति एक स्वर से कर दी, इसके साथ ही परीक्षाफल तैयार करते समय विभिन्न प्रकार की विसंगतियों को ध्यान में रखते हुए परीक्षाफल तैयार किए जाने की भी संस्तुति कर दी गई है।

DAINIK JAGRAN Page 5

लविवि में अब ओएमआर शीट पर होगी परीक्षा

एकेडमिक काउंसिल की बैठक में कोरोना संक्रमण को देखते हुए लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

जागरण संवाददाता, लखनऊ : कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए लविवि ने छात्र हित में निर्णय लिया है कि स्नातक और परास्नातक के अंतिम वर्ष की सारी परीक्षाएं ओएमआर शीट पर होंगी। सारे प्रश्नपत्रों में बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे। अन्य सेमेस्टर के छात्रों के प्रमोशन का फॉर्मूला भी तैयार कर लिया गया है। प्रमोशन पाने वाले छात्रों को भविष्य में परीक्षा देकर अपने अंक सुधारने का भी मौका दिया जाएगा। बुधवार को शासन द्वारा जारी गाइडलाइन के आधार पर कुलपति आलोक कुमार राय द्वारा गठित समिति की जूम एप के माध्यम से हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया।

विधि संकाय तृतीय वर्ष के अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा

सात प्रश्नपत्र हैं, छः प्रश्नपत्र अधिकतम 100 और सातवां अधिकतम 50 और 50 अंक का मौखिक होगा। 100 प्रश्नों में से 50 के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक होगा और समय 60 मिनट होगा।

अंतिम वर्ष की परीक्षा

स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षाओं में 100 प्रश्न होंगे। जिसमें से 50 के उत्तर देने होंगे। समय एक घंटा प्रत्येक दो अंक। वहीं, परास्नातक में 70 प्रश्न होंगे, जिसमें से 35 के उत्तर देने होंगे। बाकी के 30 अंक इंटर्नल परीक्षा के आधार पर दिए जाएंगे।

प्रमोशन के लिए यह नीति

बीए, बीएससी और बीकॉम द्वितीय वर्ष के अलावा स्नातक प्रथम वर्ष के अंक को एग्रिगेट मार्क्स के प्रतिशत को आधार अंक माना जाएगा। प्रश्न पत्र के अंकों के साथ जोड़कर औसत निकालते हुए उस प्रश्नपत्र के अंकों को द्वितीय वर्ष के प्रोजेक्टेड अंकपत्र के लिए निर्धारित किया जाए।

कला संकाय (वार्षिक परीक्षा)

स्नातक अंतिम वर्ष में दो विषयों में तीन-तीन प्रश्नपत्र होते है। इसलिए प्रत्येक दिन एक विषय के तीनों प्रश्नपत्रों की परीक्षा एक ही पाली में कराई जाएगी। प्रत्येक प्रश्नपत्र में ए-50 प्रश्न बी-50 प्रश्न सी-50 प्रश्न दिए जाएंगे, जिसमें से 25 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दो अंक का और तीनों प्रश्नों को हल करने का समय 120 मीनट होगा। ओएमआर शीट ए-बी-सी तीन पार्ट में बनवाई होगी। छात्रों की बैक पेपर, इम्प्रूवमेंट एक्जेम्टेड की परीक्षा की एमसीक्यू प्रणाली से करवाई जाएगी।

निर्धारित किया गया परीक्षा पैटर्न : वाणिज्य संकाय की वार्षिक परीक्षा

बीकॉम अंतिम वर्ष में चार ग्रुप होते है और प्रत्येक ग्रुप में दो प्रश्नपत्र हैं। प्रत्येक दिन एक ग्रुप के दोनों पेपर की परीक्षा एक पाली में संपन्न कराई जाएगी। प्रश्नपत्र ए 100 और बी में 100 प्रश्न दिए जाएंगे। इसमें दोनों से 50-50 प्रश्नों को चुनने का विकल्प होगा। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। उसे हल करने के लिए दो घंटे का समय होगा। वहीं, द्वितीय वर्ष के छात्रों का बैक पेपर, इंप्रूवमेंट एक्जेम्टेड की परीक्षा की एमसीक्यू प्रणाली से करवाई की जाएगी।

वाणिज्य संकाय - स्नातक ऑनर्स (अंतिम) एवं परास्नातक अंतिम की परीक्षा

प्रत्येक प्रश्नपत्र में 70 प्रश्न होंगे, जिसमें से 35 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का और समय 60 मिनट होगा। मौखिकी अथवा डिजर्टेशन मौखिकी की परीक्षा विभागाध्यक्ष स्तर पर की जाए और अंकों का विवरण विभागाध्यक्ष द्वारा विभाग पोर्टल पर अपलोड कर दिया जाए।

विज्ञान संकाय परास्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षा

प्रत्येक प्रश्नपत्र में 70 प्रश्न होंगे, जिनमें से 35 के उत्तर देने होंगे। समय दो घंटा और प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।

विज्ञान संकाय (वार्षिक परीक्षा)

स्नातक अंतिम वर्ष में दो विषयों में तीन-तीन प्रश्नपत्र एवं एक प्रयोगात्मक परीक्षा होती है। प्रत्येक दिन एक विषय के तीनों प्रश्नपत्रों की परीक्षा एक ही पाली में संपन्न करवाई जाएगी। प्रत्येक प्रश्नपत्र में ए-50 प्रश्न, बी-50 प्रश्न, सी-50 प्रश्न दिए जाएं, जिनमें से प्रत्येक प्रश्नपत्र ए, बी तथा सी में 25-25 प्रश्न चुनने का विकल्प दिया जाए, प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का रखा जाए, और तीनों प्रश्नपत्रों के हल करने के लिए 120 मिनट होंगे। ओएमआर शीट ए-बी-सी तीन पार्ट में बनवाई जाएगी।

कला संकाय-स्नातक ऑनर्स (अंतिम) एवं परास्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षा

प्रत्येक प्रश्नपत्र में 70 प्रश्न होंगे। इसमें से छात्रों को 35 के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दो अंक और 60 मिनट का समय होगा। आंतरिक परीक्षा के अंक विगत सेमेस्टरों में दिए गए आंतरिक परीक्षा के अंकों का औसत निकालकर अंक प्रदान किए जाएं। प्रयोगात्मक एवं मौखिकी परीक्षा का मूल्यांकन प्रयोगशाला में प्रतिभाग करने, फाइल अथवा रिकॉर्ड तैयार करने, उपस्थिति आदि के आधार पर अंक दिए जाएंगे।

16 मार्च को हो चुकीं स्नातक की वार्षिक परीक्षाएं रद

16 मार्च को स्नातक बीए और बीएससी की परीक्षाएं हुई थीं। इसके बाद लॉकडाउन घोषित कर दिया गया था। एक ही प्रश्नपत्र की परीक्षा हुई थी और परीक्षा प्रणाली विवरणात्मक थी। इसलिए वह परीक्षाएं निरस्त कर दी गई है। अब वह भी परीक्षाएं ओएमआर सीट पर ही होंगी।

यहां नियामक संस्थान के नियम होंगे लागू

एकेडमिक परिषद की बैठक में बीएड,एमएड, बीएलएड, बीपीएड, एमपीएड, आयुर्वेद, यूनानी, तकनीकी संकाय और आइएमएस के पाठ्यक्रमों के संबंध में नियामक संस्थानों के नियमों को लागू करने का फैसला लिया गया है।

परास्नातक के साथ कर सकेंगे पीएचडी

जासं, लखनऊ : लविवि में अब परास्नातक के साथ ही छात्र-छात्राएं पीएचडी भी कर सकेंगी। इसके अलावा विवि में डी-लिट भी अब दोबारा शुरू होगा। बुधवार को एकेडमिक परिषद की बैठक में इस पर अंतिम मुहर लग गई है। वहीं, इंटीग्रेटेड पीएचडी की भी सुविधा भी शुरू करने पर विचार किया गया है। इसके लिए विवि प्रबंधन यूजीसी को प्रस्ताव भेजने की तैयारी कर रहा है। सरकारी विभागों में तैनात अधिकारी, सैन्य अफसर और इंडस्ट्रीज के क्षेत्र में काम करने वाले अधिकारियों को शोध करने का भी मौका लविवि देगा। इसके अलावा प्रत्येक शिक्षक एक एक्स्ट्रा न्यूमैरिंग कोटे से एक पीएचडी स्कॉलर को ले सकेगा।

वायवा व थिसिस का मूल्यांकन होगा ऑनलाइन

एकेटीयू (डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि) व उससे संबद्ध संस्थानों मे एमटेक, एम फार्मा व एमआर्क रेगुलर एवं कैरीओवर छात्रों का वायवा और थिसिस ऑनलाइन होगी। बढ़ते संक्रमण को देखते हुए यह व्यवस्था की जा रही है।

TOI Page 2

Multiple choice question pattern in LU final yr exams

Applicable For UG And PG Students

Times News Network

Lucknow: All undergraduate and postgraduate final year examinations of Lucknow University will be held on multiple choice questions (MCQ) based pattern.

The decision was taken in a meeting on Wednesday.

As per state government's directions, examinations of only final year students will be held while others will be promoted on basis of their marks in previous semester.

The annual examinations which used to be theoretical will be objective type this year.

The duration of examination has also been reduced from three to two hours.

Only one paper of the final year was held on March 16 and the remaining were postponed due to lockdown.

Lucknow University vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai said, "Only one undergraduate examination was held, it has been cancelled. Now, all examinations this year will be on MCQ pattern."

The semester theoretical examination of postgraduate courses will also be on MCQ pattern, he added.

LU will conduct one exam covering two papers to complete the process in less time. One question paper will have separate sections for each paper.

For examples, in BCom there are four subject groups in which eight papers (two in each group) are held. Instead of holding eight papers, one on each day, only four will be conducted.

Students will get paper with sections A and B, covering two papers of each subject group. Each paper will have 100 questions, having 50 of each paper.

Similarly, in BA and BSc, only three papers will be held instead of six.

One paper will have A, B, C sections, with 50 questions on each. Students will have to do 25 questions in each section.

Lucknow varsity to start DLitt again

After over a decade, Doctor of Literature will be revived at LU. The university also plans to offer integrated Ph.D. (Postgraduation and Ph.D together) and corporate or part-time Ph.D for working professionals.